प्रतिदर्श प्रश्नपत्र, 2022-23

विषय-हिंदी, कोर्स-ए (कोड-002)

Sample Paper - 3

निर्धारित समय : 3 घंटे **पूर्णांक : 80**

सामान्य निर्देश :

(1) इस प्रश्नपत्र में दो खंड हैं- खंड 'क' और ख'। खंड-क में वस्तुपरक/बहविकल्पी और खंड-ख में वस्तुनिष्ठ/वर्णनात्मक प्रश्न दिए गए हैं।

(2) प्रश्नपत्र के दोनों खंडों में प्रश्नों की संख्या 17 है और सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

(3) यथासंभव सभी प्रश्नों के उत्तर क्रमानुसार लिखिए।

(4) खंड 'क' में कुल 10 प्रश्न हैं, जिनमें उपप्रश्नों की संख्या 49 है। दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए 40 उपप्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।

(5) खंड 'ख' में कुल 7 प्रश्न हैं, सभी प्रश्नों के साथ उनके विकल्प भी दिए गए हैं। निर्देशानुसार विकल्प का ध्यान रखते हुए सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

खंड - अ (बहुविकल्पी / वस्तुपरक प्रश्न)

1. अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये: **[5]**

सूख रहा है समय
इसके हिस्से की रेत
उड़ रही है आसमान में
सूख रहा है
आँगन में रखा पानी का गिलास
पँखुरी की साँस सूख रही है
जो सुंदर चोंच मीठे गीत सुनाती थी
उससे अब हाँफने की आवाज़ आती है
हर पौधा सूख रहा है
हर नदी इतिहास हो रही है
हर तालाब का सिमट रहा है कोना
यहीं एक मनुष्य का कंठ सूख रहा है
वह जेब से निकालता है पैसे और
खरीद रहा है बोतल बंद पानी
बाकी जीव क्या करेंगे अब
न उनके पास जेब है न बोतल बंद पानी।
-- सूख रहा है समय

(i) **सूख रहा है समय** कथन के संदर्भ में कौनसा/कौनसे कथन सत्य हैं -

i. जीवनमूल्य समाप्त हो रहे हैं
ii. नैतिकता का पतन हो रहा है
iii. मानवता का हनन हो रहा है
iv. फूल मुरझा रहे हैं

क) कथन iii व iv सही हैं

ख) कथन i, ii व iii सही हैं

ग) कथन ii व iii सही हैं

घ) कथन ii, iii व iv सही हैं

(ii) हर नदी के इतिहास होने का तात्पर्य है-

क) नदियों के नाम इतिहास में लिखे जा रहे हैं।

ख) लोगों को नदियों की जानकारी नहीं है।

ग) नदियों का अस्तित्व समाप्त होता जा रहा है।

घ) नदियों का इतिहास रोचक है।

(iii) **पँखुरी की साँस सूख रही है**
जो सुंदर चोंच मीठे गीत सुनाती थी
ऐसी परिस्थिति किस कारण उत्पन्न हुई?

क) अब पक्षी के पास सुंदर चोंच नहीं रही।

ख) पतझड़ के कारण पत्तियाँ सूख रही थीं।

ग) मौसम बदल रहे हैं।

घ) अब प्रकृति की ओर कोई ध्यान नहीं देता।

(iv) कवि के दर्द का कारण है-

क) पक्षी हाँफ रहा है।

ख) पँखुरी की साँस सूख रही है।

ग) मानव का कंठ सूख रहा है।

घ) प्रकृति पर संकट मँडरा रहा है।

(v) कथन (A) और कारण (R) को पढ़कर उपयुक्त विकल्प चुनिए –
कथन (A): प्रकृति पर संकट मंडरा रहा है।
कथन (R): जीवों के बचने की कोई उम्मीद नहीं रही है।

क) कथन (A) सही है और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या है।

ख) कथन (A) गलत है किन्तु कारण (R) सही है।

ग) कथन (A) सही है किन्तु कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या नहीं है।

घ) कथन (A) और कारण (R) दोनों ही गलत हैं।

अथवा

अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये: **[5]**

नदी में नदी का अपना कुछ भी नहीं
जो कुछ है
सब पानी का है।
जैसे पोथियों में उनका अपना
कुछ नहीं होता
कुछ अक्षरों का होता है

कुछ ध्वनियों और शब्दों का
कुछ पेड़ों का कुछ धागों का
कुछ कवियों का
जैसे चूल्हे में चूल्हे का अपना
कुछ भी नहीं होता
न जलावन, न आँच, न राख
जैसे दीये में दीये का
न रुई, न उसकी बाती
न तेल न आग न लियली
वैसे ही नदी में नदी का
अपना कुछ नहीं होता।
नदी न कहीं आती है न जाती है
वह तो पृथ्वी के साथ
सतत् पानी-पानी गाती है।
नदी और कुछ नहीं
पानी की कहानी है
जो बूँदों से सुन कर बादलों को सुनानी है।
-- बोधिसत्व

(i) नदी के बारे में कौनसा/कौनसे कथन सत्य हैं?

i. नदी का अस्तित्व ही पानी से है।
ii. नदी कहीं आती - जाती नहीं है।
iii. नदी की सोच व्यापक है।
iv. नदी बहुत बड़ी है।

क) कथन ii व iii सही हैं
ख) कथन i व ii सही हैं
ग) कथन i व iv सही हैं
घ) कथन i, ii व iii सही हैं

(ii) पुस्तक-निर्माण के संदर्भ में कौन-सा कथन सही नहीं है?

क) कवियों की कलम उसे नाम देती है।
ख) पुस्तकालय उसे सुरक्षा प्रदान करता है।
ग) ध्वनियों और शब्दों का महत्त्व है।
घ) पेड़ों और धागों का योगदान होता है।

(iii) कवि, पोथी, चूल्हे आदि उदाहरण क्यों दिए गए हैं?

क) उन्होंने उदारता से अपनी बात कही है।
ख) नदी की कमजोरी को दर्शाया है।
ग) हमारा अपना कुछ नहीं।
घ) इन सभी के बहुत से मददगार हैं।

(iv) नदी की स्थिरता की बात कौन-सी पंक्ति में कही गई है?

क) वह तो पृथ्वी के साथ सतत् पानी-पानी गाती है।

ख) जो कुछ है सब पानी का है।

ग) नदी में नदी का अपना कुछ भी नहीं।

घ) नदी न कहीं आती है न जाती है।

(v) कथन (A) और कारण (R) को पढ़कर उपयुक्त विकल्प चुनिए –
कथन (A): अक्षरों और ध्वनियों के बिना पुस्तकों का कोई महत्व नहीं है।
कथन (R): मनुष्य के अकेले का को अस्तित्व नहीं होता है I सहयोग और साथ के बिना मनुष्य जीवन व्यर्थ है।

क) कथन (A) गलत है किन्तु कारण (R) सही है।

ख) कथन (A) और कारण (R) दोनों ही गलत हैं।

ग) कथन (A) सही है किन्तु कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या नहीं है।

घ) कथन (A) सही है और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या है।

2. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:** **[5]**

साधारण तौर पर जब हम साफ रात्रि में आकाश की ओर देखते हैं तो हमें दूर-दूर तक हजारों तारे टिमटिमाते हुए दिखाई देते हैं। उन्हें देखकर लगता है कि जैसे किसी ने उन्हें आकाश की काली पृष्ठभूमि पर चिपका रखा है। कई बार हमें आश्चर्य होता कि वे हर रात एक ही जगह कैसे बने रहते हैं, गिर क्यों नहीं जाते? वैज्ञानिक तथ्य तो यह है कि तारे वास्तव में एक जगह स्थिर नहीं रहते हैं। जिस प्रकार पृथ्वी तथा अन्य आठ ग्रह सूर्य के चारों ओर अपने-अपने पथ पर चलते रहते हैं। वे भी उसी प्रकार अपने पथ पर धीरे-धीरे चलते रहते हैं। हमें लगता है कि तारे एक ही जगह स्थिर हैं, क्योंकि हम उन्हें चलते हुए नहीं देख सकते हैं। इसका कारण यह है कि वे हमसे हजारों हजार किलोमीटर दूर हैं। जब वे चलते हुए भी होते हैं तब भी ऐसा लगता है कि वे एक ही जगह हैं। इसके अतिरिक्त एक शक्ति है, जिसे हम गुरुत्वाकर्षण शक्ति कहते हैं, जिसके कारण चलते समय भी तारे अपने पथ पर बने रहते हैं। वह उनको एक-दूसरे से टकराने से भी बचाती है।

(i) आकाश में दिखने वाले तारों के पीछे वैज्ञानिक तथ्य क्या है?

i. वे एक जगह स्थिर नहीं रहते।
ii. वे अपने पथ पर धीरे - धीरे चलते रहते हैं।
iii. गुरुत्वाकर्षण के कारण वे आपस में टकराते नहीं हैं।
iv. चलते हुए भी वे एक ही जगह पर रहते हैं।

क) कथन i, iii व iv सही हैं

ख) कथन i, ii व iv सही हैं

ग) कथन i, ii व iii सही हैं

घ) कथन ii सही हैं

(ii) इस गद्यांश में किस वैज्ञानिक तथ्य का उल्लेख किया गया है?

क) परिक्रमा

ख) दैनिक गति

ग) गुरुत्वाकर्षण शक्ति　　घ) परिभ्रमण

(iii) हम तारों को चलते हुए क्यों नहीं देख सकते?

क) क्योंकि वे टिमटिमाते हैं　　ख) गुरुत्वाकर्षण शक्ति से वे स्थिर रहते हैं

ग) क्योंकि वे हमसे दूर हैं　　घ) धार्मिक अंधविश्वास है

(iv) उपरोक्त गद्यांश का क्या शीर्षक हो सकता है?

क) तारे और हम　　ख) आकाश के तारे

ग) आकाश के वैज्ञानिक तथ्य　　घ) विज्ञान एक चमत्कार

(v) कथन (A) और कारण (R) को पढ़कर उपयुक्त विकल्प चुनिए-
कथन (A): हम तारों को चलते हुए नहीं देख सकते।
कारण (R): हजारों किलोमीटर दूर होने के कारण चलते हुए भी तारें स्थिर ही दिखाई देते हैं।

क) कथन (A) गलत है किन्तु कारण (R) सही है।　　ख) कथन (A)और कारण (R) दोनों ही गलत हैं।

ग) कथन (A) सही है किन्तु कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या नहीं है।　　घ) कथन (A) सही है और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या है।

3. निर्देशानुसार 'रचना के आधार पर वाक्य भेद' पर आधारित पाँच बहुविकल्पी प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए- **[4]**

(i) **मैं आपसे प्रार्थना करता हूँ कि मुझे छुट्टी दी जाए** सरल वाक्य में बदलिए।

क) मुझे छुट्टी की बहुत ही जरूरत है।　　ख) मैं आपसे छुट्टी के लिए प्रार्थना करता हूँ।

ग) मेरे छुट्टी की प्रार्थना स्वीकार कर लीजिए।　　घ) छुट्टी के लिए मैं सबसे पहले अर्जी किया था।

(ii) **श्याम मूर्ख नहीं बल्कि बुद्धिमान है** रचना के आधार पर वाक्य भेद बताइए।

क) सरल वाक्य　　ख) समूह वाक्य

ग) मिश्र वाक्य　　घ) संयुक्त वाक्य

(iii) **जब तक वह घर पहुँचा तब तक उसके पिताजी जा चुके थे।** वाक्य है-

क) सरल वाक्य　　ख) मिश्र वाक्य

ग) संयुक्त वाक्य　　घ) इनमें से कोई नही

(iv) **जब तुम मुझसे मिले थे तब मैं छोटा था।** आश्रित उपवाक्य छाँटकर भेद बताइए-

क) तब मैं छोटा था-संज्ञा आश्रित उपवाक्य।

ख) जब तुम मुझसे मिले थे-संज्ञा आश्रित उपवाक्य।

ग) जब तुम मुझसे मिले थे-क्रिया विशेषण आश्रित उपवाक्य।

घ) तब में छोटा था-क्रिया विशेषण आश्रित उपवाक्य।

(v) **गरीब को लूटने के अतिरिक्त उसने उसकी हत्या कर दी** संयुक्त वाक्य में बदलिए।

क) इनमें से कोई नहीं

ख) उसने गरीब के साथ लूटपाट की।

ग) उसने न केवल गरीब को लूटा बल्कि उसकी हत्या भी कर दी।

घ) उसने गरीब को लूटकर उसकी हत्या कर दी।

4. निर्देशानुसार 'पद परिचय' पर आधारित पाँच बहुविकल्पी प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए- **[4]**

(i) **<u>वाह!</u>** हम उत्तीर्ण हो गए रेखांकित पद का परिचय है

क) विस्मयादिबोधक अव्यय, क्रोधबोधक

ख) विस्मयादिबोधक अव्यय, हर्षबोधक

ग) विस्मयादिबोधक अव्यय, शोकबोधक

घ) विस्मयादिबोधक अव्यय, आश्चर्यबोधक

(ii) **<u>चिड़िया</u>** छत पर बैठी थी। वाक्य में रेखांकित पद का पद-परिचय बताइए।

क) अकर्मक क्रिया, एकवचन, पुल्लिंग

ख) सकर्मक क्रिया ,बहुवचन, स्त्रीलिंग

ग) अकर्मक क्रिया, एकवचन, स्त्रीलिंग

घ) सकर्मक क्रिया, बहुवचन, पुल्लिंग

(iii) शिक्षक के साथ **<u>एक</u>** शिष्य भी आता है। रेखांकित पद का परिचय है-

क) विशेषण, संख्यावाचक, पुल्लिंग, बहुवचन, 'शिष्य' विशेष्य।

ख) विशेषण, संख्यावाचक, पुल्लिंग, एकवचन, 'शिष्य' विशेष्य।

ग) विशेषण, परिणामवाचक, पुल्लिंग, एकवचन, 'शिष्य' विशेष्य।

घ) विशेषण, परिणामवाचक, पुल्लिंग, बहुवचन, 'शिष्य' विशेष्य।

(iv) **<u>रंग-बिरंगे</u>** फूल देखकर मन प्रसन्न हो गया। रेखांकित पद का परिचय है

क) गुणवाचक विशेषण, बहुवचन, पुल्लिंग, 'फूल' विशेष्य का विशेषण

ख) गुणवाचक विशेषण, एकवचन, पुल्लिंग, 'फूल' विशेष्य का विशेषण

ग) संख्यावाचक विशेषण, एकवचन, पुल्लिंग, 'फूल' विशेष्य का विशेषण

घ) गुणवाचक विशेषण, एकवचन, स्त्रीलिंग, 'फूल' विशेष्य का विशेषण

(v) **मैं** घर गया। वाक्य में रेखांकित पद का पद-परिचय बताइए।

क) प्रश्नवाचक सर्वनाम

ख) निश्चयवाचक सर्वनाम

ग) निजवाचक सर्वनाम

घ) पुरूषवाचक सर्वनाम

5. निर्देशानुसार 'अलंकार' पर आधारित पाँच बहुविकल्पी प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए- **[4]**

(i) **माली आवत देखि कलियन करि पुकार।**
फूले फूले चुन लियो कलि हमारी बार।।
पंक्ति में कौन-सा अलंकार है?

क) यमक अलंकार

ख) श्लेष अलंकार

ग) मानवीकरण अलंकार

घ) उपमा अलंकार

(ii) निम्नलिखित पंक्तियों में कौन-सा अलंकार है।
कढ़त साथ ही म्यान ते
असि रिपु तन ते प्राण ”

क) अतिशयोक्ति

ख) यमक

ग) श्लेष

घ) उत्प्रेक्षा

(iii) दुलरा देना, बहला देना, यह तेरा शिशु जग है उदास।
पंक्ति में कौन-सा अलंकार हैं-

क) उपमा

ख) अनुप्रास

ग) श्लेष

घ) मानवीकरण

(iv) निम्नलिखित पंक्तियों में कौन-सा अलंकार है ।
इस सोते संसार के बीच
जगकर सजकर रजनी बोले

क) मानवीकरण

ख) रूपक

ग) अनुप्रास

घ) उपमा

(v) जहाँ किसी व्यक्ति का बढ़ा-चढ़ाकर वर्णन किया जाए, वहाँ कौन-सा अलंकार होता है ?

क) उत्प्रेक्षा

ख) मानवीकरण

ग) अतिशयोक्ति

घ) यमक

6. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:** **[5]**

जो शब्द सबसे कम समझ में आते हैं और जिनका उपयोग होता है सबसे अधिक; ऐसे दो शब्द हैं सभ्यता और संस्कृति।

इन दो शब्दों के साथ जब अनेक विशेषण लग जाते हैं, उदाहरण के लिए जैसे भौतिक-सभ्यता और आध्यात्मिक-सभ्यता, तब दोनों शब्दों का जो थोड़ा बहुत अर्थ समझ में आया रहता है, वह भी गलत- सलत हो जाते हैं। क्या यह एक ही चीज़ है अथवा दो वस्तुएँ? यदि दो हैं तो दोनों में क्या अंतर है? हम इसे अपने तरीके पर समझने की कोशिश करें।

कल्पना कीजिए उस समय की जब मानव समाज का अग्नि देवता से साक्षात् नहीं हुआ था। आज तो घर-घर चूल्हा जलता है। जिस आदमी ने पहले-पहल आग का आविष्कार किया होगा, वह कितना बड़ा आविष्कर्ता होगा!

अथवा कल्पना कीजिए उस समय की जब मानव को सुई-धागे का परिचय न था, जिस मनुष्य के दिमाग में पहले- पहल बात आई होगी कि लोहे के एक टुकड़े को घिसकर उसके एक सिरे को छेदकर और छेद में धागा पिरोकर कपड़े के दो टुकड़े एक साथ जोड़े जा सकते हैं, वह भी कितना बड़ा आविष्कर्ता रहा होगा!

(i) कौन-से शब्द सबसे अधिक उपयोग होते हैं?

क) भौतिक सभ्यता　　ख) सभ्यता

ग) संस्कृति　　घ) सभ्यता और संस्कृति

(ii) सभ्यता और संस्कृति क्या है?

क) दोनों में कोई संबंध नहीं　　ख) दोनों एक ही चीज़ हैं

ग) दोनों में गहरा संबंध है　　घ) दोनों अलग-अलग हैं

(iii) लेखक ने बड़ा आविष्कर्ता किसे माना है?

क) आधुनिक विज्ञान के आविष्कर्ता को　　ख) आग और सुई-धागे का आविष्कार करने वाले को

ग) सभ्यता का विकास करने वाले को　　घ) चाँद पर पहुँचने वाले को

(iv) भौतिक सभ्यता का सम्बंध किससे है?

क) हमारे भविष्य से　　ख) हमारे भूतकाल से

ग) हमारे रहन-सहन व खान पान से　　घ) धर्म से

(v) लेखक ने सुई बनाने वाले को बड़ा आविष्कर्ता क्यों माना

क) सुई बनाना बहुत बड़ा आविष्कार था　　ख) सुई बनाने वाले को बड़ा आविष्कर्ता कहा जाता है

ग) क्योंकि किसी ने सुई नहीं बनाई थी

घ) क्योंकि तब से मनुष्य सर्दी से बचाव करना सीख गया

7. निर्देशानुसार 'वाच्य' पर आधारित पाँच बहुविकल्पी प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए- **[4]**

(i) निम्न वाक्यों में से भाववाच्य है-

i. अब राष्ट्रपति से नहीं आया जायेगा।
ii. हमसे इतना भार नहीं सहा जा सकता।
iii. इतनी गर्मी में कैसे बैठेंगे?
iv. तुलसीदास ने रामचरित मानस की रचना की।

क) विकल्प (iv)

ख) विकल्प (i)

ग) विकल्प (iii)

घ) विकल्प (ii)

(ii) निम्नलिखित वाक्यों में से कर्मवाच्य है-

i. दादी रामायण का पाठ करती हैं।
ii. उनके द्वारा उछलकर डोर पकड़ ली गई।
iii. शाहजहाँ ने ताजमहल बनवाया।
iv. कल राजा याचक को दान देंगे।

क) विकल्प (ii)

ख) विकल्प (iii)

ग) विकल्प (iv)

घ) विकल्प (i)

(iii) **पुलिस द्वारा चोर पकड़ा गया** वाक्य _____ वाच्य से संबद्ध है।

क) अकर्मक

ख) सकर्मक

ग) भाव

घ) कर्म

(iv) **प्रेम चलता नहीं है** प्रस्तुत वाक्य को भाववाच्य में बदलिए

क) प्रेम द्वारा चला नहीं जा रहा है।

ख) प्रेम चल नहीं पाया।

ग) प्रेम चल नहीं सकता।

घ) प्रेम से चला नहीं जाता।

(v) **गिरीश से दौड़ा नहीं जाता** वाक्य में वाच्यभेद बताइए

क) इनमें से कोई नहीं

ख) कर्तृवाच्य

ग) भाववाच्य

घ) कर्मवाच्य

8. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:** **[5]**

तब भी कहते हो-कह डालूँ दुर्बलता अपनी बीती।
तुम सुनकर सुख पाओगे, देखोगे-यह गागर रीती।

किंतु कहीं ऐसा न हो कि तुम ही खाली करने वाले-
अपने को समझो, मेरा रस ले अपनी भरने वाले।

(i) कवि के अनुसार आज प्रत्येक व्यक्ति क्या करने में लगा हुआ है?

क) स्वयं अपना समय व्यतीत करने में
ख) दूसरे की दुर्बलताओं का मज़ाक बनाने में
ग) अपने घर जाने में
घ) दूसरों के साथ खुश होने में

(ii) कवि की जीवनकथा किससे भरी हुई है?

क) सुख व निराशा से
ख) प्रसन्नता व हताशा से
ग) प्रसन्नता व निराशा से
घ) निराशा व हताशा से

(iii) **यह गागर रीती** में **गागर** शब्द का सांकेतिक अर्थ है-

क) जीवन रूपी घड़ा
ख) घड़ा रूपी जीवन
ग) निराशा रूपी घड़ा
घ) ख़ुशी रूपी घड़ा

(iv) कवि के जीवन के आनंद रूपी रस को किसने खाली किया था?

क) किसी ने नहीं
ख) इनमें से कोई नहीं
ग) कवि के मित्रों ने
घ) स्वयं कवि ने

(v) पद्यांश की अंतिम पंक्तियों में कवि की कौन-सी चारित्रिक विशेषता प्रकट होती है?

क) प्रसन्न रहना
ख) जागरूकता
ग) दुखी रहना
घ) मित्रों के प्रति विनम्रता

9. पद्य पाठों के आधार पर निम्नलिखित दो बहुविकल्पी प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प चुनकर लिखिए- **[2]**

(i) लक्ष्मण के शब्द परशुराम के लिए _____ थे।

क) क्रोध रूपी अग्नि में घी की आहुति के समान
ख) शीतलता प्रदान करने वाले
ग) क्रोध रूपी आग में जल के समान
घ) जले पर नमक छिड़कने वाले

(ii) कृष्ण के आने की _____ को आधार बना कर गोपियाँ तन-मन की व्यथा को सह कर उनके आने की प्रतीक्षा कर रही थी ।

क) ये सभी
ख) इच्छा
ग) अनुमति
घ) अवधि

10. गद्य पाठों के आधार पर निम्नलिखित दो बहुविकल्पी प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प चुनकर लिखिए- **[2]**

(i) शृंगी क्या है?

क) एक प्रकार की मिठाई ख) जादू

ग) शाबासी घ) एक वाद्ययंत्र

(ii) बालगोबिन भगत जी की उम्र है-

क) लगभग साठ वर्ष ख) पचहत्तर वर्ष

ग) साठ वर्ष से ज्यादा घ) पचास वर्ष

खंड - ख (वर्णनात्मक प्रश्न)

11. पद्य पाठों के आधार पर निम्नलिखित चार प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में लिखिए- **[6]**

(i) अब इन "जोग सँदेसनि सुनि सुनि, बिरहिनि बिरह दही।" पंक्ति का भाव स्पष्ट करते हुए बताइए कि बिरहिनि कौन है जो विरह में दग्ध हो रही हैं?

(ii) संगतकार कविता के आधार पर स्पष्ट कीजिए कि संगतकार जैसे व्यक्ति सर्वगुण संपन्न होकर भी समाज में आगे न आकर प्रायः पीछे हो क्यों रहते हैं?

(iii) **सेवक से जो करै सेवकाईका** अर्थ बताइए। **राम-लक्ष्मण-परशुराम संवाद** के प्रसंग में इसका क्या आशय है?

(iv) कवि ने फसल को हजार-हजार खेतों की मिट्टी का गुण-धर्म कहा है- मिट्टी के गुण-धर्म को आप किस तरह परिभाषित करेंगे?

12. गद्य पाठों के आधार पर निम्नलिखित चार प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में लिखिए- **[6]**

(i) शहनाई की दुनिया में डुमराँव को क्यों याद किया जाता है? नौबतखाने में इबादत पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

(ii) **संस्कृति** पाठ के अनुसार लेनिन और कार्ल मार्क्स का उदाहरण किस संदर्भ में दिया गया है?

(iii) मन्नू भंडारी के पिता ने अपनी आर्थिक विवशताएँ कभी बच्चों को क्यों नहीं बताईं होंगी?

(iv) **संस्कृति पाठ के अनुसार** लेखक ने पूर्वज-संतान, संस्कृत-सभ्य में किस तरह अंतर स्थापित किया है?

13. पूरक पाठ्यपुस्तक के पाठों पर आधारित निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 50-60 -शब्दों में लिखिए- **[8]**

(i) **मैं क्यों लिखता हूँ?** पाठ के आधार पर बताइए कि भीतरी विवशता क्या होती है? लेखक ने इसे स्पष्ट करने के लिए किसकी चर्चा की है ?

(ii) गंतोक को मेहनतकश बादशाहों का शहर क्यों कहा गया?

(iii) **माता का अँचल** नामक पाठ में लेखक ने तत्कालीन समाज के पारिवारिक परिवेश का जो चित्रण किया है, उसे अपने शब्दों में लिखिए।

14. सर्वशिक्षा अभियान के अंतर्गत शिक्षा निदेशालय में प्राथमिक शिक्षकों (अनुबंध आधार पर) से आवेदन-पत्र माँगे गए हैं। सुमन शर्मा की ओर से आप आवेदन-पत्र प्रस्तुत कीजिए। **[5]**

अथवा

विदेश में रहने वाले मित्र को ग्रीष्मावकाश में भारत के पर्वतीय स्थल के भ्रमण हेतु आमंत्रित करते हुए पत्र लिखिए।

15. स्वास्थ्य मंत्रालय, दिल्ली के निदेशक को कंप्यूटर टाइपिस्ट के लिए स्ववृत सहित आवेदन-पत्र लिखिए। **[5]**

अथवा

ट्यूशन टीचर की आवश्यकता हेतु एक ईमेल लिखिए।

16. आप मैनेजर हैं। कार्यालय सामग्री नीलाम करने के लिए 25-50 शब्दों में एक विज्ञापन तैयार कीजिए। **[4]**

अथवा

आपके प्रिय अध्यापक का जन्मदिन है। इस शुभ अवसर पर 30-40 शब्दों में एक संदेश तैयार कीजिए।

17. **गया समय फिर हाथ नहीं आता** विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर अनुच्छेद लिखिए। **[6]**
    - समय ही जीवन है
    - समय का सदुपयोग
    - समय के दुरुपयोग से हानि

अथवा

गया समय फिर हाथ नहीं आता विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर अनुच्छेद लिखिए।
- समय ही जीवन है
- समय का सदुपयोग
- समय के दुरुपयोग से हानि

अथवा

देश पर पड़ता विदेशी प्रभाव विषय पर दिए गए संकेत-बिन्दुओं के आधार पर अनुच्छेद लिखिए।
- हमारा देश और संस्कृति
- विदेशी प्रभाव

- परिणाम और सुझाव

Solution

खंड - अ (बहुविकल्पी / वस्तुपरक प्रश्न)

1. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:**

सूख रहा है समय
इसके हिस्से की रेत
उड़ रही है आसमान में
सूख रहा है
आँगन में रखा पानी का गिलास
पँखुरी की साँस सूख रही है
जो सुंदर चोंच मीठे गीत सुनाती थी
उससे अब हाँफने की आवाज़ आती है
हर पौधा सूख रहा है
हर नदी इतिहास हो रही है
हर तालाब का सिमट रहा है कोना
यहीं एक मनुष्य का कंठ सूख रहा है
वह जेब से निकालता है पैसे और
खरीद रहा है बोतल बंद पानी
बाकी जीव क्या करेंगे अब
न उनके पास जेब है न बोतल बंद पानी।
-- सूख रहा है समय

(i) **(ख)** कथन i, ii व iii सही हैं
व्याख्या: कथन i, ii व iii सही हैं
(ii)**(ग)** नदियों का अस्तित्व समाप्त होता जा रहा है।
व्याख्या: नदियों का अस्तित्व समाप्त होता जा रहा है।
(iii)**(घ)** अब प्रकृति की ओर कोई ध्यान नहीं देता।
व्याख्या: अब प्रकृति की ओर कोई ध्यान नहीं देता।
(iv)**(घ)** प्रकृति पर संकट मँडरा रहा है।
व्याख्या: प्रकृति पर संकट मँडरा रहा है।
(v)**(क)** कथन (A) सही है और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या है।
व्याख्या: कथन (A) सही है और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या है।

अथवा

अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:

नदी में नदी का अपना कुछ भी नहीं
जो कुछ है
सब पानी का है।
जैसे पोथियों में उनका अपना
कुछ नहीं होता
कुछ अक्षरों का होता है
कुछ ध्वनियों और शब्दों का

कुछ पेड़ों का कुछ धागों का
कुछ कवियों का
जैसे चूल्हे में चूल्हे का अपना
कुछ भी नहीं होता
न जलावन, न आँच, न राख
जैसे दीये में दीये का
न रुई, न उसकी बाती
न तेल न आग न लियली
वैसे ही नदी में नदी का
अपना कुछ नहीं होता।
नदी न कहीं आती है न जाती है
वह तो पृथ्वी के साथ
सतत् पानी-पानी गाती है।
नदी और कुछ नहीं
पानी की कहानी है
जो बूँदों से सुन कर बादलों को सुनानी है।
-- बोधिसत्व

(i) **(ख)** कथन i व ii सही हैं
व्याख्या: कथन i व ii सही हैं
(ii)**(ग)** ध्वनियों और शब्दों का महत्त्व है।
व्याख्या: ध्वनियों और शब्दों का महत्त्व है।
(iii)**(ग)** हमारा अपना कुछ नहीं।
व्याख्या: हमारा अपना कुछ नहीं।
(iv)**(घ)** नदी न कहीं आती है न जाती है।
व्याख्या: नदी न कहीं आती है न जाती है।
(v)**(घ)** कथन (A) सही है और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या है।
व्याख्या: कथन (A) सही है और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या है।

2. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:**
साधारण तौर पर जब हम साफ रात्रि में आकाश की ओर देखते हैं तो हमें दूर-दूर तक हजारों तारे टिमटिमाते हुए दिखाई देते हैं। उन्हें देखकर लगता है कि जैसे किसी ने उन्हें आकाश की काली पृष्ठभूमि पर चिपका रखा है। कई बार हमें आश्चर्य होता कि वे हर रात एक ही जगह कैसे बने रहते हैं, गिर क्यों नहीं जाते? वैज्ञानिक तथ्य तो यह है कि तारे वास्तव में एक जगह स्थिर नहीं रहते हैं। जिस प्रकार पृथ्वी तथा अन्य आठ ग्रह सूर्य के चारों ओर अपने-अपने पथ पर चलते रहते हैं। वे भी उसी प्रकार अपने पथ पर धीरे-धीरे चलते रहते हैं। हमें लगता है कि तारे एक ही जगह स्थिर हैं, क्योंकि हम उन्हें चलते हुए नहीं देख सकते हैं। इसका कारण यह है कि वे हमसे हजारों हजार किलोमीटर दूर हैं। जब वे चलते हुए भी होते हैं तब भी ऐसा लगता है कि वे एक ही जगह हैं। इसके अतिरिक्त एक शक्ति है, जिसे हम गुरुत्वाकर्षण शक्ति कहते हैं, जिसके कारण चलते समय भी तारे अपने पथ पर बने रहते हैं। वह उनको एक-दूसरे से टकराने से भी बचाती है।

(i) **(ग)** कथन i, ii व iii सही हैं
व्याख्या: कथन i, ii व iii सही हैं
(ii)**(ग)** गुरुत्वाकर्षण शक्ति
व्याख्या: इस गद्यांश में गुरुत्वाकर्षण शक्ति के वैज्ञानिक तथ्य का उल्लेख किया गया है। इस शक्ति के कारण तारे अपने स्थान पर स्थिर बने रहते हैं।
(iii)**(ग)** क्योंकि वे हमसे दूर हैं
व्याख्या: हम तारों को चलते हुए इसलिए नहीं देख सकते हैं, क्योंकि वे हमसे बहुत दूर हैं। वास्तंव में, तारे अपने पथ पर धीरे-धीरे चलते रहते हैं, परंतु दूरी के कारण वे हमें चलते हुए दिखाई नहीं देते हैं।
(iv)**(ग)** आकाश के वैज्ञानिक तथ्य
व्याख्या: प्रस्तुत गद्यांश का उचित शीर्षक 'आकाश के वैज्ञानिक तथ्य' हो सकता है, क्योंकि गद्यांश में आकाश से जुड़े वैज्ञानिक तथ्यों का वर्णन किया गया है।
(v)**(घ)** कथन (A) सही है और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या है।
व्याख्या: कथन (A) सही है और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या है।

3. निर्देशानुसार 'रचना के आधार पर वाक्य भेद' पर आधारित पाँच बहुविकल्पी प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

(i) **(ख)** मैं आपसे छुट्टी के लिए प्रार्थना करता हूँ।
व्याख्या: मैं आपसे छुट्टी के लिए प्रार्थना करता हूँ।
(ii)**(घ)** संयुक्त वाक्य
व्याख्या: बल्कि - संयुक्त वाक्य का योजक चिह्न है।
(iii)**(ख)** मिश्र वाक्य
व्याख्या: मिश्र वाक्य
(iv)**(ग)** जब तुम मुझसे मिले थे-क्रिया विशेषण आश्रित उपवाक्य।
व्याख्या: जब तुम मुझसे मिले थे-क्रिया विशेषण आश्रित उपवाक्य।
(v)**(ग)** उसने न केवल गरीब को लूटा बल्कि उसकी हत्या भी कर दी।
व्याख्या: उसने न केवल गरीब को लूटा बल्कि उसकी हत्या भी कर दी।

4. निर्देशानुसार 'पद परिचय' पर आधारित पाँच बहुविकल्पी प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

(i) **(ख)** विस्मयादिबोधक अव्यय, हर्षबोधक
व्याख्या: विस्मयादिबोधक अव्यय, हर्षबोधक
(ii)**(ग)** अकर्मक क्रिया, एकवचन, स्त्रीलिंग
व्याख्या: अकर्मक क्रिया, एकवचन, स्त्रीलिंग
(iii)**(ख)** विशेषण, संख्यावाचक, पुल्लिंग, एकवचन, 'शिष्य' विशेष्य।
व्याख्या: विशेषण, संख्यावाचक, पुल्लिंग, एकवचन, 'शिष्य' विशेष्य।
(iv)**(क)** गुणवाचक विशेषण, बहुवचन, पुल्लिंग, 'फूल' विशेष्य का विशेषण
व्याख्या: गुणवाचक विशेषण, बहुवचन, पुल्लिंग, 'फूल' विशेष्य का विशेषण
(v)**(घ)** पुरूषवाचक सर्वनाम
व्याख्या: पुरूषवाचक सर्वनाम

5. निर्देशानुसार 'अलंकार' पर आधारित पाँच बहुविकल्पी प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

(i) **(ग)** मानवीकरण अलंकार
व्याख्या: मानवीकरण अलंकार
(ii)**(क)** अतिशयोक्ति
व्याख्या: अतिश्योक्ति अलंकार में चीज़ों को इतना बढ़ा चढ़ाकर प्रस्तुत किया जाता है कि वे लोक सीमा के पार हो जाते हैं।
यहाँ पर टीपू सुल्तान की तलवार के विषय में बात की गई है। उसके बारे में ये बताया गया है कि तलवार के म्यान से निकलते ही दुश्मन के शरीर से प्राण निकल जाते हैं इसीलिए यहाँ पर अतिश्योक्ति अलंकार है।
(iii)**(घ)** मानवीकरण
व्याख्या: मानवीकरण
(iv)**(क)** मानवीकरण
व्याख्या: मानवीकरण अलंकार में प्रकृति की तुलना एक मनुष्य के रूप में की जाती है।
प्रस्तुत पंक्तियों में रात को एक सजी हुई युवती के रूप में चित्रित किया गया है। इसीलिए यहाँ मानवीकरण अलंकार है ।
(v)**(ग)** अतिशयोक्ति
व्याख्या: अतिशयोक्ति I
जैसे-आगे नदिया पड़ी अपार घोड़ा कैसे उतरे पार।
राणा ने सोचा इस पार, तब तक घोड़ा था उस पार।

6. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:**
जो शब्द सबसे कम समझ में आते हैं और जिनका उपयोग होता है सबसे अधिक; ऐसे दो शब्द हैं सभ्यता और संस्कृति।
इन दो शब्दों के साथ जब अनेक विशेषण लग जाते हैं, उदाहरण के लिए जैसे भौतिक-सभ्यता और आध्यात्मिक-सभ्यता, तब दोनों शब्दों का जो थोड़ा बहुत अर्थ समझ में आया रहता है, वह भी गलत- सलत हो जाते हैं। क्या यह एक ही चीज़ है अथवा दो वस्तुएँ? यदि दो हैं तो दोनों में क्या अंतर है? हम इसे अपने तरीके पर समझने की कोशिश करें।
कल्पना कीजिए उस समय की जब मानव समाज का अग्नि देवता से साक्षात् नहीं हुआ था। आज तो घर-घर चूल्हा जलता है। जिस आदमी ने पहले-पहल आग का आविष्कार किया होगा, वह कितना बड़ा आविष्कर्ता होगा!
अथवा कल्पना कीजिए उस समय की जब मानव को सुई-धागे का परिचय न था, जिस मनुष्य के दिमाग में पहले- पहल बात आई होगी कि लोहे के एक टुकड़े को घिसकर उसके एक सिरे को छेदकर और छेद में धागा पिरोकर कपड़े के दो टुकड़े एक साथ जोड़े जा सकते हैं, वह भी कितना बड़ा आविष्कर्ता रहा होगा!

(i) **(घ)** सभ्यता और संस्कृति
व्याख्या: सभ्यता और संस्कृति
(ii)**(ग)** दोनों में गहरा संबंध है
व्याख्या: दोनों में गहरा संबंध है
(iii)**(ख)** आग और सुई-धागे का आविष्कार करने वाले को
व्याख्या: आग और सुई-धागे का आविष्कार करने वाले को

(iv)**(ग)** हमारे रहन-सहन व खान पान से
व्याख्या: हमारे रहन-सहन व खान पान से
(v)**(घ)** क्योंकि तब से मनुष्य सर्दी से बचाव करना सीख गया
व्याख्या: क्योंकि तब से मनुष्य सर्दी से बचाव करना सीख गया

7. निर्देशानुसार 'वाच्य' पर आधारित पाँच बहुविकल्पी प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

(i) **(ख)** विकल्प (i)
व्याख्या: अब राष्ट्रपति से नहीं आया जायेगा।
(ii)**(क)** विकल्प (ii)
व्याख्या: उनके द्वारा उछलकर डोर पकड़ ली गई।
(iii)**(घ)** कर्म
व्याख्या: कर्म
(iv)**(घ)** प्रेम से चला नहीं जाता।
व्याख्या: प्रेम से चला नहीं जाता।
(v)**(ग)** भाववाच्य
व्याख्या: 'गिरीश से दौड़ा नहीं जाता' वाक्य में भाववाच्य है।

8. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:**
तब भी कहते हो-कह डालूँ दुर्बलता अपनी बीती।
तुम सुनकर सुख पाओगे, देखोगे-यह गागर रीती।
किंतु कहीं ऐसा न हो कि तुम ही खाली करने वाले-
अपने को समझो, मेरा रस ले अपनी भरने वाले।

(i) **(ख)** दूसरे की दुर्बलताओं का मज़ाक बनाने में
व्याख्या: दूसरे की दुर्बलताओं का मज़ाक बनाने में
(ii)**(घ)** निराशा व हताशा से
व्याख्या: निराशा व हताशा से
(iii)**(क)** जीवन रूपी घड़ा
व्याख्या: जीवन रूपी घड़ा
(iv)**(ग)** कवि के मित्रों ने
व्याख्या: कवि के मित्रों ने
(v)**(घ)** मित्रों के प्रति विनम्रता
व्याख्या: मित्रों के प्रति विनम्रता

9. पद्य पाठों के आधार पर निम्नलिखित दो बहुविकल्पी प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प चुनकर लिखिए-

(i) **(क)** क्रोध रूपी अग्नि में घी की आहुति के समान
व्याख्या: पाठ के अनुसार परशुराम क्रोधी थे, परन्तु लक्ष्मण के वचनों में व्यंग्य था जिसके कारण परशुराम का क्रोध और भड़क गया; जैसे अग्नि घी की आहुति देने से और भड़क जाती है।
(ii)**(घ)** अवधि
व्याख्या: क्योंकि कृष्ण जी शीघ्र आने की बात कहकर गोकुल गए थे। इसलिए वे उनकी

प्रतीक्षा कर रही थीं।

10. गद्य पाठों के आधार पर निम्नलिखित दो बहुविकल्पी प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प चुनकर लिखिए-

(i) **(घ)** एक वाद्ययंत्र
व्याख्या: शृंगी एक प्रकार का वाद्ययंत्र है, जो सींग का बना हुआ होता है।
(ii)**(ग)** साठ वर्ष से ज्यादा
व्याख्या: पाठ के अनुसार बालगोबिन भगत की उम्र साठ वर्ष से ज्यादा है ।

खंड - ख (वर्णनात्मक प्रश्न)

11. पद्य पाठों के आधार पर निम्नलिखित चार प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में लिखिए-

(i) प्रस्तुत पद में सूरदास ने गोपियों की विरह का वर्णन किया है। गोपियाँ कहती हैं कि अब इन योग के संदेशों को पाकर तथा सुनकर विरहिणी गोपियाँ विरह में तृप्त हो रही हैं। यहाँ विरहिणी गोपियाँ हैं जो कृष्ण के प्रेम में जल रही है।
(ii)'संगतकार' प्रवृत्ति के लोग छल-प्रपंच से दूर, श्रद्धा के धनी होते हैं। वे मुख्य कलाकार के सहयोगी होते हैं। अपने प्रति विश्वास को खत्म नहीं करना चाहते हैं। मुख्य कलाकार को धोखा देना अपनी प्रवृत्ति के अनुसार पाप समझते हैं। अपने मुख्यकलाकार के साथ छल-प्रपंच करके आगे निकलना अनुचित समझते हैं। वे अपनी परोपकार और त्याग की भावना के कारण पीछे ही बने रहते हैं। संगतकार जैसे लोगों से ही समाज में परोपकार की भावना जागृत होती है। यह अपने मुख्य गायक का साथ निस्वार्थ भाव से देते रहते हैं।
(iii) इस सूक्ति का तात्पर्य है- सेवक वही कहलाता है जो सेवा करता है। बिना स्वामी की सेवा किए कोई सेवक नहीं कहला सकता। राम को अपना सेवक बताने पर परशुराम कहते हैं कि जो सेवा करता है, वही सेवक कहलाने के योग्य होता है और तुमने मुझे क्रोधित किया है।
(iv) मिट्टी में विभिन्न प्रकार के तत्व होते हैं जो उसकी पोषक क्षमता या उर्वरा शक्ति को बढ़ाते हैं। इन आवश्यक पोषक तत्वों को फसल मृदा से ग्रहण कर लेती है। फसल द्वारा ग्रहण किये गए पोषक तत्व उसकी वृद्धि में सहायक होते हैं। मिट्टी फसल को जल एवं अन्य आवश्यक पदार्थ भी उपलब्ध कराती है। फसल के फलने फूलने एवं वृद्धि के लिए मृदा अति आवश्यक पदार्थ है। मृदा के बिना फसल का कोई अस्तित्व ही नहीं होता हैं।

12. गद्य पाठों के आधार पर निम्नलिखित चार प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में लिखिए-

(i) शहनाई की दुनिया में डुमराँव को इसलिए याद किया जाता है क्योंकि उसी गाँव के एक संगीत प्रेमी परिवार में बिस्मिल्ला जी का जन्म हुआ था । इसके अतिरिक्त शहनाई में रीड का प्रयोग होता है। यह रीड जिस घास से बनाई जाती है वह घास डुमराँव गाँव में मुख्यत: सोन नदी के किनारों पर पाई जाती है।
(ii)लेनिन और कार्ल मार्क्स ने अपने अंदर की सहज संस्कृति अर्थात् अंतःप्रेरणा के कारण ही दूसरों के कल्याण की बात सोची और उससे प्रेरित होकर लेनिन ने अपनी डेस्क में रखी डबल रोटी को दूसरों को खिला दिया तथा कार्ल मार्क्स ने संसार के मज़दूरों को सुखी देखने के लिए सारा जीवन दुख में बिताया।

(iii) लेखिका के पिता अहंकारी थे। उन्होंने कभी बहुत वैभवशाली दिन देखे थे। दूसरों के सामने अपनी गरीबी को बता कर वे अपने आप को छोटा साबित नहीं करना चाहते थे। इसीलिए उन्होंने अपने बच्चों को कभी अपनी आर्थिक विवशताओं का भागीदार नहीं बनाया।

(iv) वंश-परंपरा में एक संस्कृत व्यक्ति जिस नयी चीज़ की खोज करता है वह संतान को अनायास ही प्राप्त हो जाती है। जिस व्यक्ति ने अपने विवेक से किसी नए तथ्य का दर्शन किया है वह वास्तविक रूप में संस्कृत व्यक्ति है और उसकी संतान जिसे वह चीज पूर्वजों से अनायास ही प्राप्त हो गई वह व्यक्ति संस्कृत नहीं हो सकता है, सभ्य हो सकता है। इस तरह लेखक ने पूर्वज-संतान और संस्कृत-सभ्य का संबंध स्थापित किया है।

13. पूरक पाठ्यपुस्तक के पाठों पर आधारित निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 50-60 -शब्दों में लिखिए-

(i) किसी भी दृश्य या घटना को देखकर या सुनकर मन के भीतर जो छटपटाहट होती है वही भीतरी विवशता है। जब तक कवि या लेखक उसे शब्दों के माध्यम से अभिव्यक्त नहीं करता है तब तक उसे शांति नहीं मिलती। लेखक ने इसे स्पष्ट करने के लिए हिरोशिमा पर लिखी कविता की चर्चा की।

(ii) गंगतोक शहर या यूँ कहें पूरा सिक्किम प्रदेश पर्वतों से भरा है। वहाँ पर रहने वाले लेपचा और भुटिया लोग पर्वतों की ही तरह दृढ और काफी मेहनती स्वभाव वाले होते हैं। हम यों भी कह सकते हैं कि मेहनत करना गंगतोक वासियों का वंशानुगत गुण है जो उन्हें उनके पूर्वजों और पहाड़ी परिवेश से मिला है। वे मेहनत की जिंदगी जीते हैं और प्रकृति की गोद में जीवन के हर पहलू का आनंद उठाते हैं। पहाड़ों जैसा दृढ निश्चय उन्हें कड़ी से कड़ी मेहनत करने पर मजबूर करता है और इसी कारणवश लेखिका द्वारा भी गंगतोक को 'मेहनतकश बादशाहों का शहर' कहा गया।

(iii) इस पाठ में तत्कालीन समाज की जीवन शैली का वर्णन किया गया है। उस समय के परिवारों में बच्चे माँ के ममतामयी अँचल की छाँव में बड़े होते थे। घर के सदस्यों के मध्य आत्मीयता का संबंध होता था। पिता और पुत्र के मध्य प्रेम को इस पाठ में विस्तार से चित्रित किया गया है। घर में धार्मिक वातावरण होता था। बच्चों को प्रांरभ से जीवों के प्रति प्रेम करना, प्रातः जल्दी उठना, प्रकृति के नजदीक जाना आदि सिखाया जाता था। बच्चे मित्रों के साथ समूह में खेलते थे जिससे उनमें सामाजिकता व सामूहिकता का विकास होता था। वे घरेलू व परंपरागत खेल खेला करते थे जिन्हें खेलने के लिए विशेष साधनों की आवश्यकता नहीं होती थी।

14. B-4/25 गोविन्दनगर,
दिल्ली।
28 फरवरी, 20xx
शिक्षा निदेशक महोदय,
पुराना सचिवालय,
दिल्ली।

विषय- प्राथमिक शिक्षिका हेतु आवेदन पत्र

महोदय,
दिनांक 27 फरवरी, 20XX के दैनिक जागरण समाचार में प्रकाशित विज्ञापन से ज्ञात हुआ कि निदेशालय को प्राथमिक शिक्षकों की आवश्यकता है। मैं इस पद के लिए आवेदन-पत्र प्रस्तुत कर रही हूँ, मेरा संक्षिप्त विवरण इस प्रकार है-
नाम - सुमन शर्मा

पति का नाम - श्रवण कुमार
जन्म तिथि - 14-11-1982

शैक्षिक योग्यताएँ -	XI	सी.बी.एस.ई. 1995	प्रथम श्रेणी 65%
	XII	नेशनल ओपन स्कूल 1997	द्वितीय श्रेणी 58%
	बी.ए.	पत्राचार संस्थान दिल्ली 2000	द्वितीय श्रेणी 55%
व्यावसायिक योग्यता -	जे.बी.टी.	डाइट दिल्ली 2003	प्रथम श्रेणी 65%
	एम.ए.	पत्राचार संस्थान दिल्ली 2006	द्वितीय श्रेणी 58%

अनुभव - 15 जुलाई, 2007 से अब तक हैप्पी पब्लिक स्कूल में प्राथमिक शिक्षिका के रूप में कार्यरत।
आशा है कि मेरी योग्यताओं पर विचार करते हुए आप सेवा का अवसर अवश्य देंगे।
सधन्यवाद।
प्रार्थिनी
सुमन शर्मा

अथवा

A-2/75,
कावेरी अपार्टमेंट,
द्वारका, दिल्ली।
04 मार्च, 2019
प्रिय मोहित,
सादर नमस्ते। तुम्हारा पत्र मिला। तुम्हारी कुशलता जानकर बड़ी खुशी हुई। मैं भी यहाँ सकुशल हूँ।
मित्र, यहाँ मई-जून के महीने में विद्यालयों में ग्रीष्मावकाश हो जाता है। मैं चाहता हूँ कि इस ग्रीष्मावकाश में तुम भारत आ जाओ ताकि हम दोनों साथ-साथ छुट्टियाँ बिताएँ। यहाँ मैदानी भागों में गर्मी अधिक पड़ती है, इसलिए हम पर्वतीय स्थल के भ्रमण का कार्यक्रम बनाएँगे। मैंने सोचा है तुमको भारत के सीमावर्ती राज्य उत्तराखंड का भ्रमण कराऊँ। पर्वतीय स्थल होने के कारण यहाँ की जलवायु समशीतोष्ण रहती है। यहाँ देहरादून, ऋषिकेश, सहस्त्रधारा, लक्ष्मण झूला, मसूरी, बद्रीनाथ, केदारनाथ जैसे अनेक दर्शनीय स्थल हैं जो अपनी प्राकृतिक सुषमा से जन-मन हर लेते हैं। देहरादून स्थित गायत्री आश्रम में बैठकर शांति की अनुभूति होती है, तो कैंपटी फॉल से गिरते झरनों की धवल झाग बरबस मन को हर लेती है। मैंने तो इन्हें देख रखा है पर तुम्हारे साथ देखने का आनंद कुछ और ही होगा। अपने आने के कार्यक्रम के बारे में अवश्य अवगत कराना ताकि मैं आवश्यक तैयारी कर सकूँ।
अपने माता-पिता को मेरा प्रणाम कहना। शेष सब ठीक है।
पत्रोत्तर शीघ्र देना।
तुम्हारा अभिन्न मित्र,
राहुल

15. प्रति,
निदेशक
स्वास्थ्य मंत्रालय
दिल्ली।
विषय- कंप्यूटर टाइपिस्ट पद के लिए आवेदन-पत्र।
महोदय,

दिनांक 05 फरवरी, 20xx के 'नवभारत टाइम्स' समाचार-पत्र से ज्ञात हुआ कि आपके विभाग में कंप्यूटर टाइपिस्ट के पद रिक्त हैं। प्रार्थी स्वयं को इस पद के योग्य मानते हुए आवेदन-पत्र प्रस्तुत कर रहा है, जिसका संक्षिप्त विवरण निम्नलिखित है-

नाम - पंकज शर्मा

पिता का नाम - श्री राम शर्मा

जन्मतिथि - 15 अप्रैल, 1991

पता - बी 4/126, रामा गार्डन, गोविंद विहार, दिल्ली।

शैक्षणिक योग्यताएँ-

दसवीं कक्षा	सी०बी०एस०ई० दिल्ली	2005	74%
बारहवीं कक्षा	सी०बी०एस०ई० दिल्ली	2007	79%
बी.सी.ए.	एमिटी विश्वविद्यालय नोएडा, गौतमबुद्ध नगर	2010	71%
एम.सी.ए.	एमिटी विश्वविद्यालय नोएडा, गौतमबुद्ध नगर	2012	72%
टंकण प्रशिक्षण	छह माह का पाठ्यक्रम	2013	

अनुभव- चिल्ड्रेन बुक ट्रस्ट दिल्ली में कम्प्यूटर आपरेटर पद पर एक साल (अंशकालिक)।

घोषणा- मैं आपको विश्वास दिलाता हूँ कि उपर्युक्त विवरण मेरे ज्ञान से पूर्णतया सत्य हैं। आशा है कि आप मेरी योग्यताओं पर सहानुभूतिपूर्वक विचार करते हुए आप मुझे सेवा का अवसर प्रदान करेंगे।

सधन्यवाद

प्रार्थी

पंकज शर्मा

हस्ताक्षर .....

दिनांक 08 मई, 20xx

संलग्न- प्रमाण-पत्रों एवं अनुभव प्रमाण-पत्र की छायांकित प्रति।

अथवा

From : priya15@gmail.com

To : govi@tutorial.com

CC ...

BCC ...

विषय - ट्यूशन टीचर की आवश्यकता हेतु जानकारी

महोदय,

मैं प्रिया कुमारी दसवीं कक्षा की विद्यार्थी हूँ। मुझे जानकारी प्राप्त हुई कि आप विभिन्न विषयों की ट्यूशन की जानकारी उपलब्ध कराते हैं। मुझे अपने लिए एक गणित विषय की ट्यूशन की आवश्यकता है।

आपसे अनुरोध है कि मुझे गणित विषय का ट्यूशन उपलब्ध कराने में सहायता करें।

धन्यवाद

प्रिया कुमारी

नीलामी सूचना

30 - कुर्सियाँ

15 - मेजें

9 - कूलर

4 - ए.सी.

कार्यालय की तरफ से 8 मार्च 2019 को बोली लगवाई जाएगी।
धरोहर राशि 2500 बोली से पहले जमा करवानी होगी।
नीलामी के लिए सम्पर्क करें-0098596261
मिलें- मैनेजर 75/05, मेरठ रोड बदरपुर
16. नई दिल्ली।

अथवा

संदेश

30 जून, 2020
पूज्य अध्यापक

छात्र प्रिय, कर्मठ, छात्रों के प्रेरणास्रोत
नवीन गोविन्दम् विद्यालय, पालम के
हिंदी विषय के अध्यापक
श्री त्रिभुवन शर्मा जी
को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएँ।
आपकी वजह से मेरी रुचि हिंदी भाषा में हो पाई I
मैं आपके मंगलमय भविष्य की कामना करता हूँ।

प्रवीण
कक्षा 9 वीं ब

17. महापुरुषों ने कहा है, "समय बहुत मूल्यवान है। एक बार निकल जाने पर यह कभी वापस नहीं आता।" वास्तव में, समय ही जीवन है। इसकी गति को रोकना असंभव है। संसार में अनेक उदाहरण हैं, जो समय की महत्ता को प्रमाणित करते हैं। जिसने समय के मूल्य को नहीं पहचाना, वह हमेशा पछताया है। इसके महत्त्व को पहचानकर इसका सदुपयोग करने वाले व्यक्तियों ने अपने जीवन में लगातार सफलता प्राप्त की। जो व्यक्ति समय मिलने पर भी अपने जीवन में कुछ नहीं कर पाते, वे जीवन में असफल रहते हैं।
जो विद्यार्थी पूरे वर्ष पढ़ाई नहीं करते, वे फेल होने पर पछताते हैं। तब यह उक्ति कि 'अब पछताए होत क्या जब चिड़िया चुग गई खेत' चरितार्थ होती है।समय रहते कार्य न किया गया तो बात नहीं बन सकती है । इसलिए प्रत्येक व्यक्ति को समय की महत्ता समझते हुए ही कार्य करना चाहिए क्योंकि जो व्यक्ति समय को महत्व नहीं देता है समय (काल) भी उसे महत्वहीन कर देता है। जीवन का यही कटु सत्य है । महान् पुरुषों ने समय का सदुपयोग किया और अपने जीवन में सफल हुए। स्वामी दयानंद, महात्मा गांधी, जवाहरलाल नेहरू, मदर टेरेसा आदि इसके ज्वलंत प्रमाण हैं। अतः हमें समय की महत्ता को समझते हुए इसका सदुपयोग करना चाहिए।

अथवा

महापुरुषों ने कहा है, "समय बहुत मूल्यवान है। एक बार निकल जाने पर यह कभी वापस नहीं आता।" वास्तव में, समय ही जीवन है। इसकी गति को रोकना असंभव है। संसार में अनेक उदाहरण हैं, जो समय की महत्ता को प्रमाणित करते हैं। जिसने समय के मूल्य को नहीं पहचाना, वह हमेशा पछताया है। इसके महत्त्व को पहचानकर इसका सदुपयोग करने वाले व्यक्तियों ने अपने जीवन में लगातार सफलता प्राप्त की। जो व्यक्ति समय मिलने पर भी अपने जीवन में कुछ नहीं कर पाते, वे जीवन में असफल रहते हैं।
जो विद्यार्थी पूरे वर्ष पढ़ाई नहीं करते, वे फेल होने पर पछताते हैं। तब यह उक्ति कि 'अब पछताए होत क्या जब चिड़िया चुग गई खेत' चरितार्थ होती है। विद्यार्थी को समय का मूल्य पहचानते हुए हर पल का सदुपयोग करना चाहिए, क्योंकि जो समय को नष्ट करता है, एक दिन समय उसे नष्ट कर देता है। महान् पुरुषों ने समय का सदुपयोग किया और अपने जीवन में

सफल हुए। स्वामी दयानंद, महात्मा गांधी, जवाहरलाल नेहरू, मदर टेरेसा आदि इसके ज्वलंत प्रमाण हैं। अतः हमें समय की महत्ता को समझते हुए इसका सदुपयोग करना चाहिए।

अथवा

अत्यधिक विविधताओं से भरा होने के बावजूद हमारा देश भारत एक है और इसकी एकता का कारण है-यहाँ की समेकित संस्कृति। भारत एक सांस्कृतिक विविधता वाला देश है, जहाँ विभिन्न धर्मों, भाषाओं, वर्णों, खान-पान, वेशभूषा आदि की विविधताओं वाले लोग एक साथ रहते हैं। भारतीय संस्कृति सभी भारतीयों की आत्मा मानी जाती है। हम सभी भारतीय संस्कृति का आदर करते हैं। हमारी संस्कृति में यह माना जाता है कि हम सभी अपने-अपने धर्म का पालन करें फिर चाहे कोई-सा धर्म हो। सभी धर्मों के प्रति प्रेम व सौहार्द्र की भावना ही भारतीय संस्कृति की अद्वितीय विशेषता है। बड़ों का आदर, नारियों का सम्मान, जीवों पर दया, सादा जीवन-उच्च विचार आदि गुण हमारी संस्कृति के मूल में हैं।

विदेशी संस्कृति के प्रभाव में आकर आज भारतीय अपनी संस्कृति को भूलते जा रहे हैं। जहाँ वे विदेशी संस्कृति व सभ्यता को अपनाकर स्वयं को गौरवान्वित महसूस करते हैं वहीं भारतीय संस्कृति को वे हीन मानने लगे हैं। विदेशी संस्कृति के प्रभाव में आकर वे अंग्रेजी भाषा बोलने में अपनी शान समझते हैं। स्वयं को सुंदर दिखाने की होड़ मची हुई है। कम कपड़े पहनकर अंग प्रदर्शन करना, जंक फूड खाना, बड़ों का आदर न करना, देर रात तक पार्टियों में घूमना, मदिरापान करना आदि विदेशी संस्कृति के दुष्प्रभाव हैं। विदेशी संस्कृति के दुष्परिणाम स्वरूप समाज पतन की ओर अग्रसर है। नैतिक मूल्यों का ह्रास हो रहा है। आज का युवा अपराधों और नशे का आदी हो रहा है। जिस संस्कृति को बचाने में हमारे पूर्वजों ने इतनी मेहनत की थी उसे आज हम भूलते जा रहे हैं। अपनी संस्कृति की रक्षा हेतु हमें बच्चों को बचपन से ही संस्कारित करना होगा। उन्हें वेदों, धर्म, प्राचीन इतिहास, पूर्वजों की जीवन गाथा की जानकारी देनी होगी। परिवार में ऐसा माहौल बनाना होगा कि बच्चा स्वयं उनसे प्रेरणा ग्रहण कर संस्कारित हो सके।